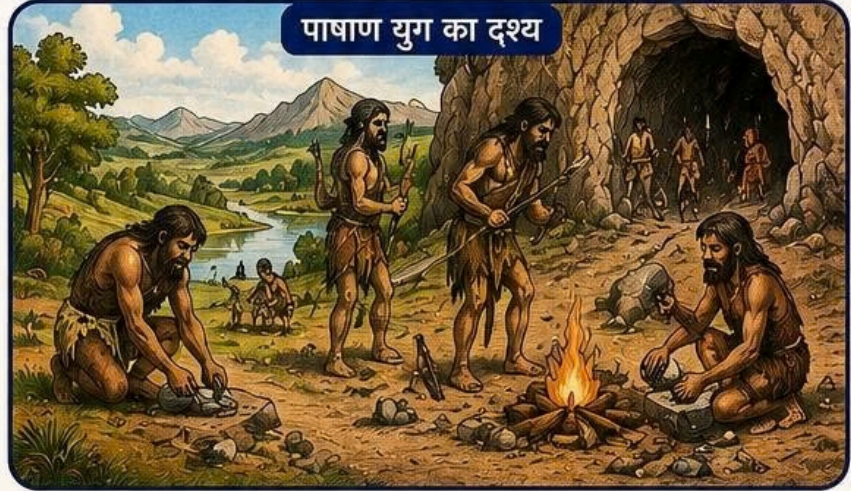


www.championsbooks.shop

परिभाषा : वह काल जिसमें मानव ने अपने जीवन यापन के लिए पत्थरों को घिसकर औजार बनाए और इन पत्थर के औजारों का उपयोग किया, पाषाण युग कहलाता है।

पाषाण युग की मुख्य बातें

- ★ यह मानव के विकास का सबसे प्रारंभिक और महत्वपूर्ण काल है।
- ★ इस काल में मानव ने पत्थरों को तोड़कर औजार बनाना सीखा।
- ★ मानव शिकारी और फल-फूल एकत्र करने वाला था।
- ★ आग की खोज इसी काल में हुई।
- ★ मानव गुफाओं और झोपड़ियों में रहता था।
- ★ यह काल तीन भागों में बाँटा जाता है।



पाषाण युग का दृश्य

पाषाण युग के प्रकार

प्राचीन पाषाण युग (Paleolithic Age)



लगभग 25 लाख ई.पू.
से 10,000 ई.पू.
पुराने पत्थरों के बड़े औजार
का उपयोग।

मध्य पाषाण युग (Mesolithic Age)



लगभग 10,000 ई.पू.
से 8000 ई.पू.
छोटे-छोटे औजार, शिकार
और संग्रह पर प्रमुख जीवन।

नवीन पाषाण युग (Neolithic Age)



लगभग 8000 ई.पू.
से 3000 ई.पू.
खेती की शुरुआत, स्थायी
जीवन की और कदम।

पाषाण युग की विशेषताएँ

- पत्थरों को घिसकर औजार बनाना।
- शिकार, मछली पकड़ना और फल-फूल एकत्र करना।
- आग की खोज और उसका उपयोग।
- गुफाओं, चट्टानों और झोपड़ियों में निवास।
- कपड़ों के लिए पशुओं की खाल का उपयोग।
- भाषा का प्रारंभिक विकास।
- कला की प्रारंभिक अभिव्यक्ति (गुफा चित्र)।



पाषाण युग के प्रमुख औजार



हैंडऐक्स



क्लीवर



छुरी



भाला नुकीला



स्क्रैपर



बुरिन

पाषाण युग के प्रमुख स्थल

- भीमबेटका (मध्य प्रदेश) – गुफा चित्रों के लिए प्रसिद्ध
- बेलन घाटी (उत्तर प्रदेश)
- बागोर (राजस्थान)
- हुंढरें (कर्नाटक)
- पटनो (तमिलनाडु)
- कुर्नूल गुफाएँ (आंध्र प्रदेश)



पाषाण युग का महत्व

- मानव सभ्यता के विकास की नींव रखी।
- औजारों के आविष्कार से बुद्धि और कौशल का विकास हुआ।
- आग के उपयोग से जीवन आसान हुआ।
- कला, भाषा और संस्कृति के विकास की शुरुआत हुई।
- आगे चलकर कृषि, पशुपालन और स्थायी जीवन की नींव पड़ी।



नोट : पाषाण युग मानव इतिहास का सबसे लंबा काल था, जिसने आगे की सभी सभ्यताओं की नींव रखी।

